नवंबर -2024

मध्य रेल, नागपुर मंडल

अंक : 08/2024-25

ई-टी.आर.ओ. दर्पण

हमारा ध्येय: संरक्षा, सुरक्षा व समयपालनता

जब तक जीवन है तब तक सीखते रहो, क्योंकि अनुभव ही सर्वश्रेष्ठ शिक्षक है।

प्रेरणास्रोत
श्री एन. पी. सिंह
प्रधान मुख्य बिजली इंजीनियर
मध्य रेल, मुंबई

संरक्षक
श्री मनीष अग्रवाल
मण्डल रेल प्रबन्धक
मध्य रेल, नागपुर

मार्गदर्शक
श्री एच.एम. शर्मा
मुख्य बिजली इंजीनियर (परि)
मध्य रेल, मुंबई

मार्गदर्शक
श्री अनंत सदाशिव
मुख्य बिजली लोको इंजीनियर
मध्य रेल, मुंबई

निर्देशन
श्री निखिल सिंह
वरि. मं. वि. इंजी. (परि.)
श्री प्रज्वल गेडाम
मं. वि. इंजी. (परि.)
मध्य रेल, नागपुर

संकलनकर्ता

व्ही. के. गुप्ता
चालक प्रशिक्षक, नागपुर
9503012046

विशेष आकर्षण

- संदेश
- स्व:-चालित निरीक्षण कार की जानका री (SPIC)
- केस स्टडी

SPIC विशेषांक

संदेश

मंडल कार्यालय
टी.आर.ओ. विभाग
मध्य रेल, नागपुर
E-mail : srdeetrongp@gmail.com

इस माह के **"ई-टी.आर.ओ. दर्पण"** में स्व:-चालित निरीक्षण कार **(Self-Propelled Inspection Car)** के संचालन संबन्धित जानकारी दी गई है। *SPIC* को स्टार्ट करने का तरीका, चलाने का तरीका, केब बदलना, शट डाऊन करना आदि पद्दति के बारे में पूरे विस्तृत से जानकारी दी गई है ।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि इस पत्रिका में **SPIC** के बारे में जो जानकारी दी गई है वह निश्चय ही आपके स्व-चालित निरीक्षण कार के चालन कुशलता में गुणात्मक सुधार एवं सहायक सिद्ध होगा।

दि :11.11.2024

(निखिल सिंह)
वरि.मं.वि.इंजी.(परि.)/नागपुर

स्व-चालित निरीक्षण कार (SPIC) के संचालन हेतु निर्देश

संदर्भः द्वारा यांत्रिक विभाग - सामान्य अनुदेश संख्या-3/24 दि.04.11.24

स्व-चालित निरीक्षण कार (Self-Propelled Inspection Car) के संचालन के संबंध में लोको पायलट को निम्नलिखित निर्देश दिए जाते हैं:-

अ. स्व-चालित निरीक्षण कार (SPIC) स्टार्ट करने का तरीका-

1. सभी सीलबंद स्विच “ऑफ” स्थिति में होना सुनिश्चित करें।
2. कंट्रोल क्यूबिकल में स्थित 110 और 24 वोल्ट बैटरी आइसोलेटिंग स्विच “ऑन” करें, जिससे कंट्रोल क्यूबिकल में बेट्री डिस्चार्ज लैम्पं जलने लगेगी
3. दोंनो बैटरी वाल्टमीटर स्विच “ऑन” कर कन्ट्रोल बैटरी वोल्टेज **90 V** से अधिक एवं स्टार्टर बैटरी वोल्टेज **24V** होना सुनिश्चित करें ।
4. कंट्रोल क्यूबिकल में स्थित सभी एम.सी.बी. (कन्ट्रोल और आग्जलरी के सर्किट ब्रेकर) “ऑन” करें ।
5. इंजन कन्ट्रोल रुम में लोकल/रिमोट सिलेक्शन स्विच को “रिमोट” पोजीशन पर रखें।
6. चालक डेस्क पर ड्राइवर्स कंट्रोल स्विच (D.C.S.) चावी को सॉकेट में लगाकर “ ऑफ़” से “ऑन” करें, इससे इंडिकेशन पैनल पर निम्नलिखित लाल रंग के इंडिकेशन लैंप जलेंगी –

   अ.) गवर्नर सप्लाई फेल

   ब) इंजन ट्रिप

   स) लो ल्यूब आयल

   द) हाइड्रोलिक आयल फ्लो फेल
7. D.C.S पर लगे लैंप टेस्ट स्विच दबाकर कर इंडिकेशन पैनल पर सभी एलईडी जलना सुनिश्चित करें ।

स्व-चालित निरीक्षण कार (SPIC) के संचालन हेतु निर्देश

8. मास्टर कन्ट्रोलर चावी को “लॉक” से “अनलॉक” पर करें जिससे रिवर्सर स्विच मुक्त हो जाएगा, रिवर्सर स्विच को फारवर्ड / रिवर्स संचालित करके उसका ओपरेशन सुनिश्चित करें ।

9. डेडमैन के हैंडल को घुमाने और छोड़ने पर माइक्रो स्विच की क्लिकिंग ध्वनि का सुनाई देना सुनिश्चित करें ।

10. ड्राइवर्स कंट्रोल स्विच (D.C.S.) पर लगे “रेडी टू स्टार्ट” स्विच लीवर दबाकर छोड़ दें, जिससे कंट्रोल क्यूबिकल के पवार स्टार्ट यूनिट (PSU) पर स्थित “वेट फॉर **10** सेकण्ड” का इंडिकेशन लाईट जलने लगेगी।

11. 10 सेकण्ड के लिए रुके, और “वेट फॉर **10** सेकण्ड” इंडिकेशन लाईट के बुझने के बाद ड्राइवर्स कंट्रोल स्विच (D.C.S.) पर लगे “इंजन ऑन" स्विच लीवर दबाएं, जिससे इंजन स्टार्ट हो जाएगा एवं "इंजन ऑन" की बत्ती इंडिकेशन पैनल पर जलेगी।

12. इंजन आर.पी.एम. आयडल हो जाने पर कंट्रोल क्यूबिकल के इंडिकेशन पैनल पर "इंजन **TRIP**" फेलियर इंडिकेशन की बत्ती बुझ जाती है ।

13. ECS को **"IDLE"** में रख कर तब तक इंजन चलने दें, जब तक फीड-पाइप प्रेशर 7 Kg/cm^2 तक नहीं पहुंच जाता है। प्रेशर के त्वरित (fast) निर्माण की आवश्यकता होने पर इंजन को रेस किया जा सकता है।

स्व-चालित निरीक्षण कार (SPIC) के संचालन हेतु निर्देश

स्व-चालित निरीक्षण कार (SPIC) का परिचालन- SPIC के संचलन के लिए निम्नलिखित प्रक्रियाओं का पालन किया जाना चाहिए –

क . चलाने से पहले -

1. सुनिश्चित करे कि सर्विस ब्रेक (A9) हैंडल रिलीज पोजिशन पर है एवं ब्रेक पाइप प्रेशर 5 kg/cm^2 है।
2. सुनिश्चित करें कि स्वतंत्र ब्रेक (SA9) लगाया गया है और BC दबाव 1.8 kg/cm2 है।
3. पहिये से लकड़ी के वेजेज को हटाना सुनिश्चित करें।

ख. चलने के लिए -

1. पार्किंग ब्रेक रिलीज बटन दबाकर पार्किंग ब्रेक रिलीज करें।
2. ड्राइवर डेस्क पर ECS स्विच को "IDLE" से "RUN" स्थिति में रखें।
3. DCS. पर कंट्रोल स्विच को "ON" करें।
4. DCS पर एक्साइटेशन स्विच को ON करें, जिससे इंडिकेशन पैनल पर "गवर्नर सप्लाई फेलियर" इंडिकेशन लैंप बंद हो जाएगा।
5. मास्टर कंट्रोलर के डेडमैन हैंडल को क्लॉकवाइज घुमाने के बाद रिवर्स स्विच को वांछित दिशा फॉरवर्ड/रिवर्स में सेट करें।
6. मास्टर कंट्रोलर हैंडल को 0 से 1 स्थिति में ले जाएं, जिससे लोड मीटर की सुई ट्रैक्शन मोटर का करंट दिखाएगी और इंडिकेशन पैनल पर अल्टरनेटर "ON" ग्रीन लैंप चमकने लगेगा।
7. SA9 हैंडल को रिलीज स्थिति में रखकर SPICE इंडिपेंडेंट ब्रेक को रिलीज करें।

ब्रेक रिलीज होने के बाद, SPIC रिवर्सर की दिशा में चलना शुरू कर देगा, गति बढ़ाने के लिए, मास्टर कंट्रोलर को आवश्यकतानुसार अगले नॉच पर ले जाएं।

स्व-चालित निरीक्षण कार (SPIC) के संचालन हेतु निर्देश

कैब बदलने की विधि-

क.) कार्यशील कैब में – जिस कैब से कार्य कर रहे थे

1. स्वतंत्र (SA9) ब्रेक लगाएं और BC गेज में BC प्रेशर 1.6 kg/cm^2 होना सुनिश्चित करें।
2. रिवार्सर स्विच को " न्यूट्रल" पर रखें।
3. मास्टर कंट्रोलर चावी को "लॉक" पोजीशन में रख कर बाहर निकाल लें
4. एक्साइटेशन स्विच और कन्ट्रोल स्विच को "ऑफ" करें।
5. ECS को रन से **"IDLE"** स्थिति में रखें ।
6. डी.सी.एस. की चावी को "ऑफ" में रख कर बाहर निकालें।
7. सर्विस ब्रेक (A9) हैंडल ओवर रिडक्शन पोजीशन में रखें हैं और कजंक्शन ब्रेकिंग में ब्रेक लगना सुनिश्चित करें ।
8. पार्किंग ब्रेक लगाएं ।
9. इंडिपेंडेंट (SA9) और सर्विस ब्रेक (A9) के कट आऊट कॉक (COC) को बंद कर इंडिपेंडेंट (SA9) ब्रेक हैंडल को रिलीज पोजीशन पर करें ।
10. मास्टर नियंत्रक एवं डी.सी.एस. चावी के साथ नॉन वर्किंग कैब में जाएं ।

ख.) अकार्यशील कक्ष में – जिस कैब से कार्य करना है उसमें -

1. पहले पार्किंग ब्रेक और स्वतंत्र ब्रेक (SA9) लगाएं।
2. सर्विस ब्रेक (A9) और स्वतंत्र ब्रेक (SA 9) के कट आउट कॉक (COC) खोलें।

3. डी.सी.एस. चावी को साकेट में लगाकर “ऑफ” से “ऑन” करने के पश्चात डी.सी.एस. पर लगे कन्ट्रोल स्विच को ऑन करें तथा एल.ई.डी. संकेत पैनल पर “कन्ट्रोल ऑन” संकेत की बत्ती का जलना सुनिश्चित करें ।
4. लैंप टेस्ट स्विच लीवर दबाएं और इंडिकेशन पैनल पर सभी एलईडी जलना सुनिश्चित करें ।
5. मास्टर कंट्रोलर चावी को सॉकेट में लगा कर “अनलॉक” करें एवं रिवर्सर स्विच का मुक्त होना सुनिश्चित करें ।
6. डेड-मैन के हैंडल ऑपरेट करने पर आने वाली माइक्रो स्विच की क्लिकिंग ध्वनि की जांच करें।
7. गाड़ी चलाने से पहले सुनिश्चित करें कि स्वतंत्र (SA9) ब्रेक और सर्विस (A9) ब्रेक कार्य कर रहें हैं ।

द.) स्व-चालित निरीक्षण कार (SPIC) बंद करने की विधि-

1. मास्टर कंट्रोलर हैंडल को ‘ऑफ’ पोजिशन पर रखें ।
2. स्वतंत्र (SA9) ब्रेक लगा गाडी खड़ा करें ।
3. रिवार्सर स्विच को ” न्यूट्रल” पर रखें।
4. पार्किंग ब्रेक लगाऐं एवं पार्किंग ब्रेक लगना सुनिश्चित करें।
5. मास्टर कंट्रोलर चावी को “लॉक” में रख कर बाहर निकाल लें ।
6. DCS पर लगे एक्साइटेशन स्विच और कन्ट्रोल स्विच को “ऑफ” करें।
7. डी.सी.एस.पर लगे, ECS को रन से **"IDLE"** स्थिति में रखें ।

स्व-चालित निरीक्षण कार (SPIC) के संचालन हेतु निर्देश

8. डी.सी.एस. की चावी को ऑफ़ में रख कर बाहर निकालें।
9. स्व:-चालित निरीक्षण कार (SPIC) के इंजन को बंद करने से पहले 5 मिनिट तक आयडल पर चलने दे।
10. डी.सी.एस.पर लगे "इंजन ऑफ" स्विच लीवर को नीचे की ओर दबा कर इंजन बंद करें।
11. इंजन बंद होने के पश्चात कंट्रोल क्यूबिकल्स में लगे सभी एम.सी.बी. को बंद करें।
12. कन्ट्रोल क्यूबिकल में लगे 24 और 110 वोल्ट की बैटरी आइसोलेटिंग स्विच ऑफ़ करें ।
13. रोल डाउन से बचाने के लिए चक्कों के पास रेल पर लकड़ी के पच्चर लगाएं।
14. ऑन ड्यूटी इंचार्ज को मास्टर कंट्रोलर एवं डी.सी.एस. चाभी सौंप दें।

SA-9 Handle
A-9 Handle

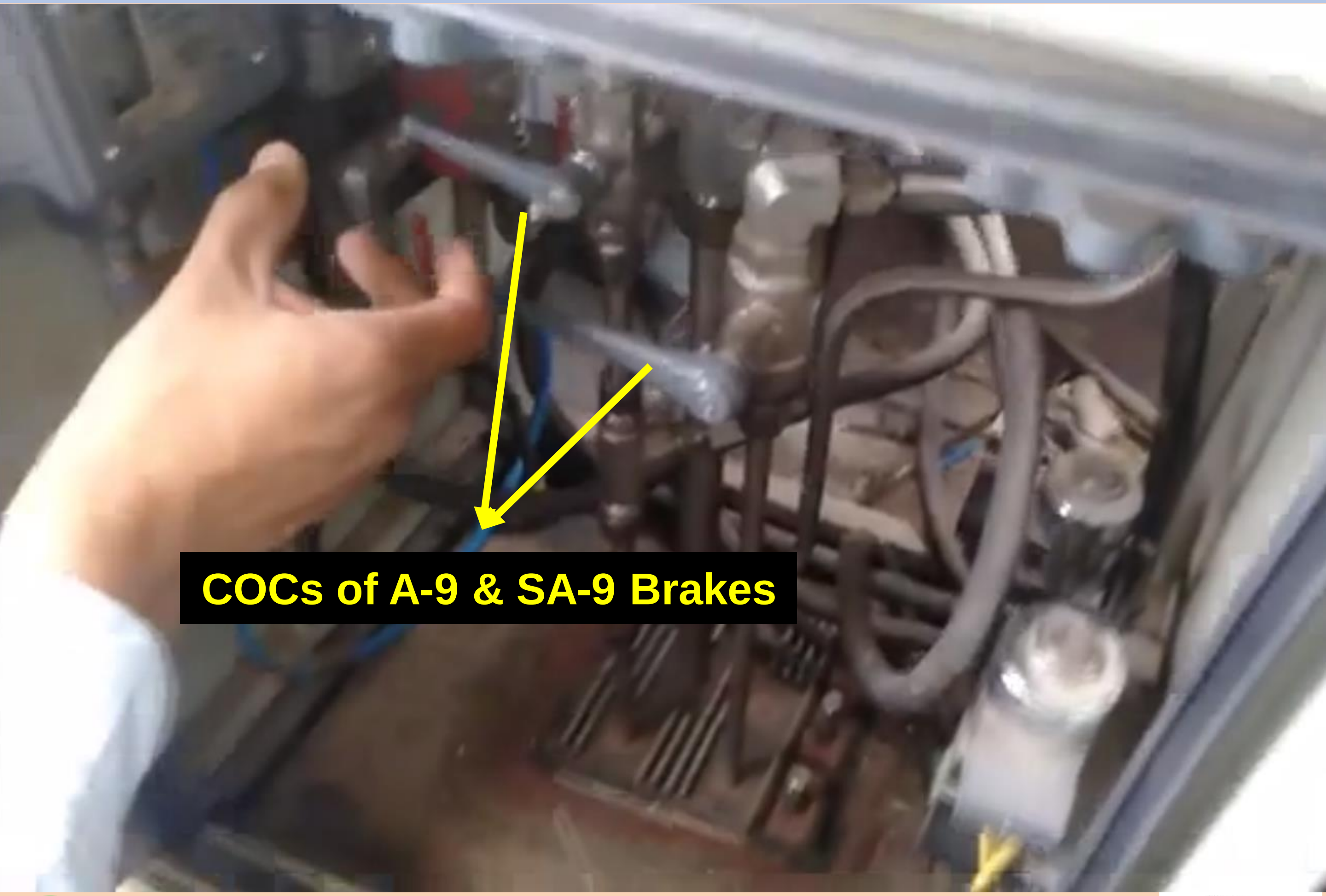
COCs of A-9 & SA-9 Brakes

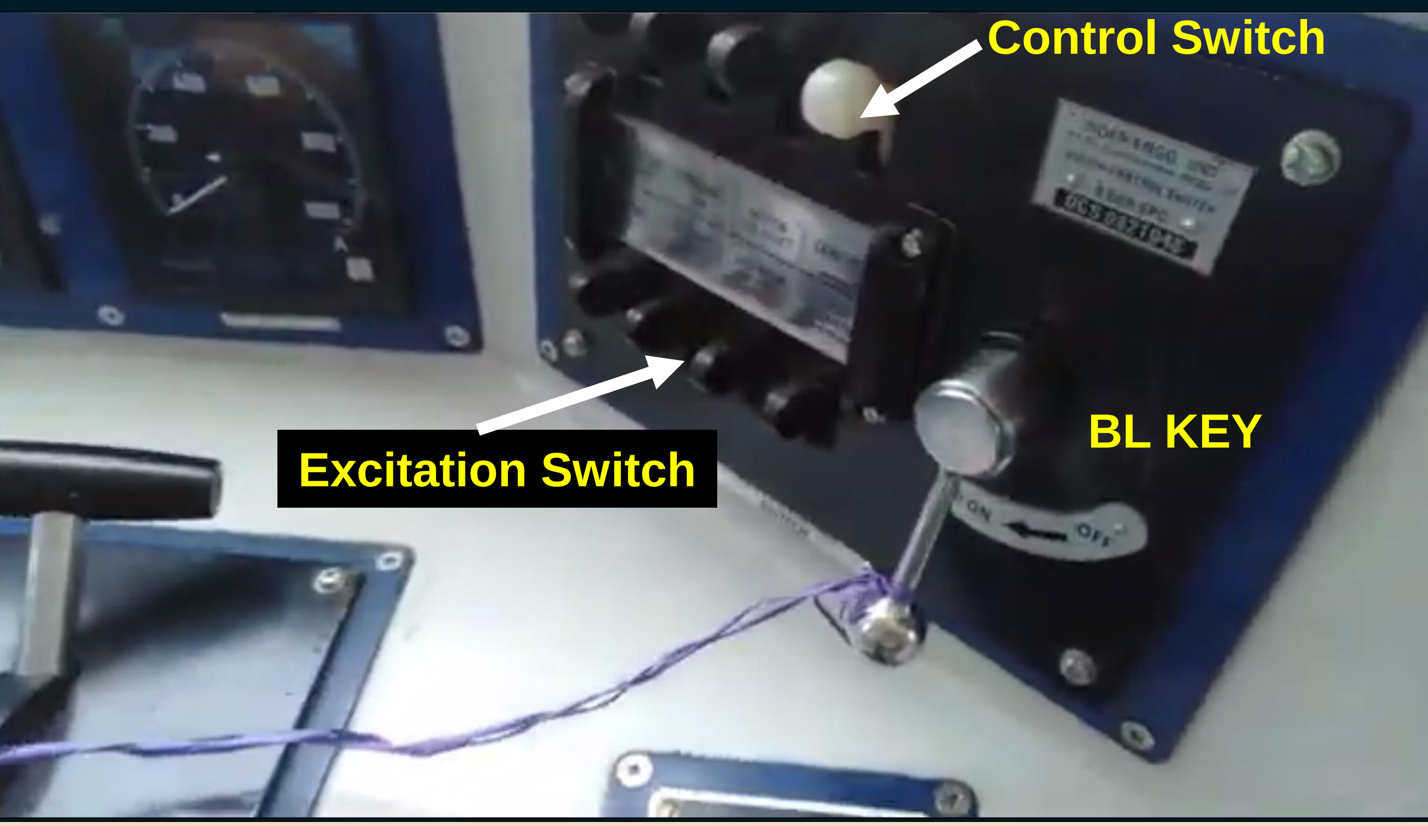
Control Switch
Excitation Switch
BL KEY

Ameter
ESMON
ECS Handle
Master Controller
Reverser

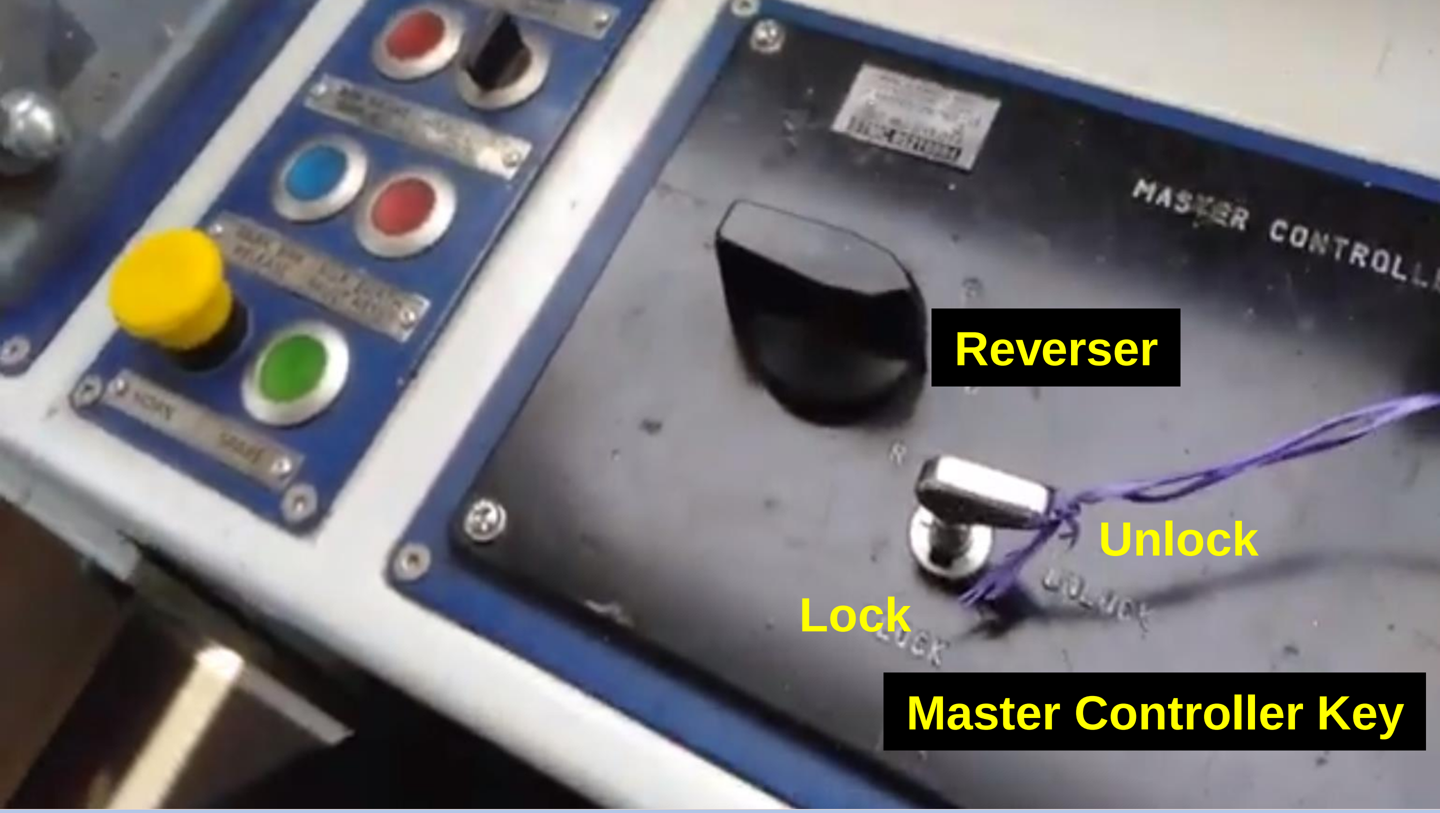
Reverser
Unlock
Lock
Master Controller Key

INST. LIGHT
FOG LIGHT
Push Buttons for Different Lights

Battery Cutout Switch

Indication Panel

Switch Fuse Unit

Control Cubicle Panel

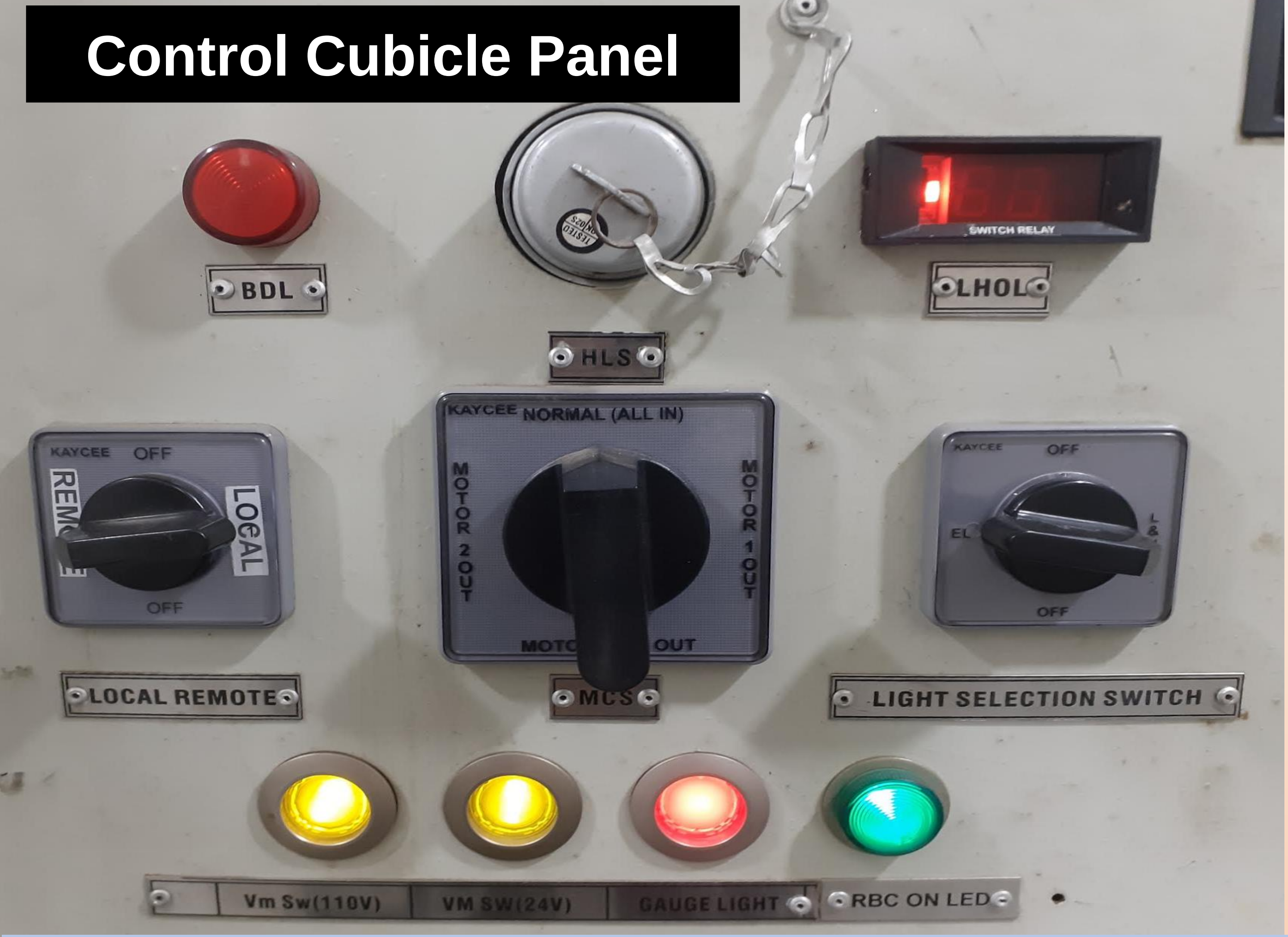

FP/BP Gauge

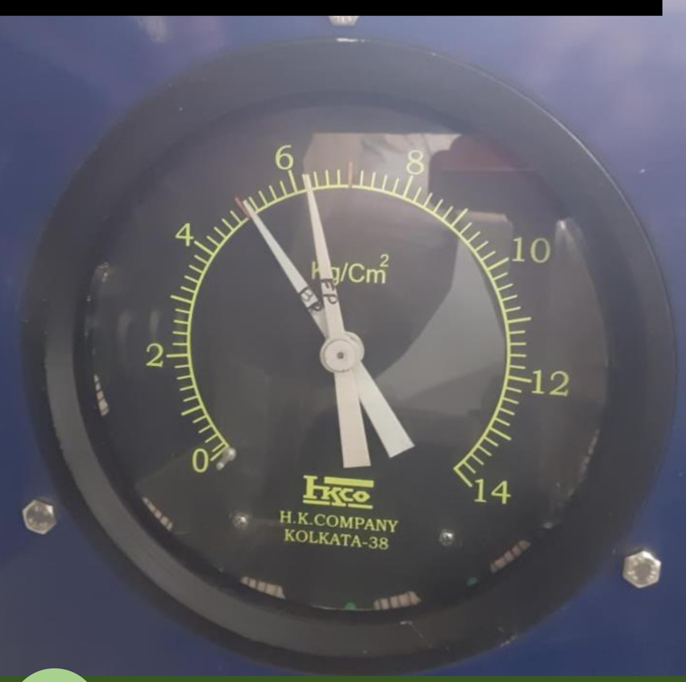

BC/PB Gauge

केस स्टडी-23/2024

जारी तिथि : 28.10.2024

Stalling

घटनाक्रम:- नागपुर मण्डल में दिनांक 09.10.2024 को लोको क्र. 28496/WAG-7/DDU **(SIV+MPCS),** ट्रेन क्र. MDIT, लोड: 59=59=4456T (FOIS 4666T) सेक्शन: BUX-TAE में तडाली (TAE) क्रॉस ओवर से गुजरते समय लोको पायलट ने अनुभव किया की व्हील स्लिप के कारण गाड़ी की गति कम होती जा रही है, नॉचेस लेने पर ऑटो रिग्रेशन आ रहा था (ग्रेडिएंट 1:150, लंबाई 2 Kms) परिणामतः गाड़ी KM No 861/12 पर खड़ी हो गई। कर्मीदल ने स्विच बोर्ड पर लगे HPAR स्विच को ओपेरेट किया, फिर भी ऑटो रिग्रेशन बंद नहीं हुआ। लोको पायलट ने सहायक इंजिन की मांग कर सेक्शन क्लियर किया। मुख्य लोको निरीक्षक द्वारा जांच करने पर पाया गया कि लोको में BPQD पुश बटन भी लगा था, जो कार्यरत था, जिसे प्रेस करने पर ऑटो रिग्रेशन (10 नॉच तक) नहीं आ रहा था। सेक्शन अवरोधित होने की वजह से चार मेल/एक्स गाड़ियों की समयपालन की हानि हुई।

कारण:-

- ❖ कर्मीदल को BPQD पुश बटन के बारे में जानकारी न होना।
- ❖ लोको लॉग बुक में पहले से HPAR स्विच संबन्धित रिमार्क को न देखना। (01.10.2024 से)

उपरोक्त घटना से सबक:-

- ❖ कर्मीदल को लोको का चार्ज लेते समय यदि लोको पर कोई **स्टेंसिल** लगा हो तो उसे अवश्य पढे तथा स्विच बोर्ड, रिले बोर्ड व पूरे लोको की, **कोई नए मोड़िफिकेशन हेतु**, अच्छी तरह से जाँच कर लें।
- ❖ मायक्रोप्रोसेसर युक्त लोको में, गाड़ी स्टार्टिंग के समय व्हील स्लिप के कारण ऑटो रिग्रेशन आता है तो **ACK पुश बटन द्वारा एक्नोलेज** करके, ड्राईवर डेस्क पर लगे BPQD को प्रेस करें (BPQD **मालगाड़ी में 10 नॉच** व **मेल/एक्स गाड़ी में 15 नॉच** तक ऑटो रिग्रेशन को रोकता है।)
- ❖ मायक्रोप्रोसेसर लोको में यदि अन्य कारण वश आने वाले रिग्रेशन को रोकने के लिए स्विच बोर्ड पर लगे **HQ-51/HPAR स्विच** की पोजीशन बदलें। **"1" – सामान्य पोजीशन (Q-51 रिले सर्विस में) व "0" – आयसोलेट पोजीशन (Q-51 रिले बायपास)।**

(नोट: Q-51 रिले की स्थिति, डिस्प्ले स्क्रीन पर भी मेसेज देखकर सुनिश्चित किया जा सकता है।)

(निखिल सिंह)
वरि.मं.वि.इंजि.(परि.),नागपुर

नोट: केस स्टडी केवल कर्मीदल को काउन्सलिंग देने के उद्देश्य से तैयार की गई है, इसे काउन्सलिंग के अलावा किसी अन्य उद्देश्य के लिए मान्य नहीं होगा।

सभी मुख्य लोको निरीक्षक/मुख्य लोको नियंत्रक उपरोक्त निर्देशों को सभी लोको रनिंग कर्मचारियों को अवगत कराएं एवं कड़ाई से पालन करना सुनिश्चित करें।

केस स्टडी-24/2024

जारी तिथि : 28.10.2024

SPAD

घटनाक्रम:- CR रेल्वे के मुम्बई डिवीजन में दिनांक 23.10.2024 को लोको क्र. 40416+40574/WDP-4/PA, ट्रेन क्र. 01436 DN (LTT-SUR H/SPL), लोड: 19B, BPC: 100%, सेक्शन: DIVA-NLJE, गाड़ी कार्य करते समय दिवा (DW) स्टेशन का स्टार्टर सिग्नल को एक पीला की स्थिति में पार किया, गाड़ी की गति 17 Kmph थी, कर्मीदल सतर्कता आदेश संबन्धित कुछ बातें करने में लग गए और भूल गए कि वे एक पीला सिग्नल को पार करके आए हैं, लोको पायलट ने गाड़ी कि गति 56 Kmph तक बढ़ा दी,जबकि दातिवली स्टेशन (DTCC) सिग्नल S-5 ऑन था, जो कर्वेचर में होने की वजह से दृश्यता दूरी केवल 217 मीटर थी। लोको पायलट ने सिग्नल से 116 मीटर पहले इमेर्जेंसी ब्रेक लगाया, गाड़ी सिग्नल को 39 Kmph की गति से ऑन स्थिति में पार करके लगभग 59 मीटर बाद खड़ी हुई (समय: 13.33 बजे)।

संभावित कारण:-

- ❖ CMS ऑपरेटर/लॉबी कर्मीदल नियंत्रक द्वारा गलत रूट सेलेक्ट करके कर्मीदल का TA बनाकर साइन ऑन करवाना, क्योंकि कर्मीदल का उस रूट का रोड लर्निंग ड्यू हो गया था।
- ❖ डिसटेंट सिग्नल एक पीला मिलने पर भी गाड़ी की गति को कंट्रोल न करना।
- ❖ LP/ALP द्वारा भी गलत रूट सेलेक्ट करके साइन ऑन करना व बिना LR के गाड़ी कार्य करना।
- ❖ गाड़ी कार्य करते समय सिग्नल संकेत पर ध्यान केंद्रित न कर, दूसरे बातों को ज्यादा महत्व देना।

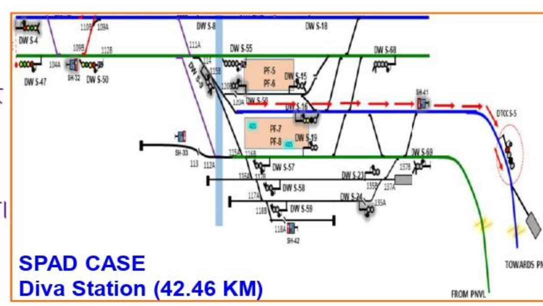

उपरोक्त घटना से सबक:-

- ✓ सभी मार्गों को CMS में मैप किया जाना चाहिए।
- ✓ TA जारी करते समय उचित मार्ग का चयन किया जाना चाहिए ताकि LR ड्यू कर्मीदल को काम करने के लिए बुक न किया जा सके।
- ✓ CCCOR नियमित रूप से CMS के माध्यम से LR की स्थिति की जांच करेंगे और तदनुसार LR ड्यू कर्मीदलों को LRD के लिए बुक करेंगे।
- ✓ गाड़ी संचलन के दौरान अन्य किसी कार्य में व्यस्त ना हो एवं पूरा ध्यान सिग्नल संकेत पर रखें।
- ✓ एक पीला सिग्नल मिलने पर अगला सिग्नल लाल ही होगा, यह मानकर ट्रेन की गति हमेशा सिग्नल के अनुसार नियंत्रण में रखें।
- ✓ एक पीला सिग्नल मिलने के बाद, ALP ने LP को बार बार याद दिलाना चाहिए कि आगे सिग्नल लाल है।
- ✓ जिस स्टेशन/सेक्शन/यार्ड में काम करना है, उसका पूर्ण LR होना सुनिश्चित करें।

(निखिल सिंह)
वरि.मं.वि.इंजि.(परि.),नागपुर

नोट: केस स्टडी केवल कर्मीदल को काउन्सलिंग देने के उद्देश्य से तैयार की गई है, इसे काउन्सलिंग के अलावा किसी अन्य उद्देश्य के लिए मान्य नहीं होगा।

सभी मुख्य लोको निरीक्षक/मुख्य लोको नियंत्रक उपरोक्त निर्देशों को सभी लोको रनिंग कर्मचारियों को अवगत कराएं एवं कड़ाई से पालन करना सुनिश्चित करें।

TRO IN NEWS

मध्य रेल नागपुर मंडल में महिला रनिंग स्टाफ बन रहा सशक्त

Yugdharm, 06.11.24

नागपुर। मध्य रेल, नागपुर मंडल ने रेलवे क्षेत्र में महिलाओं को सशक्त बनाने की दिशा में उल्लेखनीय पहल की है। इस मंडल की महिला रनिंग स्टाफ पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर कार्य कर रही हैं और महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों का कुशलतापूर्वक निर्वहन कर रही हैं। यह पहल भारतीय रेलवे के समावेशी और सहयोगात्मक कार्यस्थल के प्रति समर्पण को दर्शाती है।नागपुर जैसे अति व्यस्त स्टेशन पर महिला लोको पायलट ट्रेनों और इंजिनों का शंटिंग कार्य कुशलतापूर्वक करती हैं। इस प्रक्रिया में वंदे भारत जैसे रेक भी शामिल हैं, जो उनके तकनीकी ज्ञान को दर्शाता है। ट्रेन संचालन के अलावा, महिला स्टाफ फॉग सेफ डिवाइस का रखरखाव, स्पीडोमीटर का तकनीकी विश्लेषण और बैंकर ड्यूटी का कार्य भी करती हैं। ये जिम्मेदारियाँ रेलवे सुरक्षा प्रोटोकॉल और तकनीकी ज्ञान की समझ को दर्शाती हैं। महिला कर्मचारियों के लिए एक सुरक्षित और आरामदायक कार्यस्थल सुनिश्चित करने के लिए, नागपुर मंडल ने विशेष सुविधाएं प्रदान की हैं, जिनमें शामिल हैः प्रथक विश्राम कक्ष- केवल महिलाओं के लिए अलग से विश्राम कक्ष उपलब्ध कराए गए हैं, जिससे उन्हें आरामदायक वातावरण मिल सके। ड्रेस चेंजिंग कक्ष- महिलाओं के लिए अलग से कपड़े बदलने की सुविधा, जो सुविधा और गोपनीयता प्रदान करती है। अलग से प्रसाधन- महिलाओं के लिए स्वच्छ और सुविधाजनक प्रसाधन कक्ष उपलब्ध कराए गए हैं। रात्रिकालीन परिवहन सुविधा- महिला कर्मचारियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए, रात्रि पाली में घर से लाने-ले जाने के लिए परिवहन सुविधा उपलब्ध कराई गई है। रनिंग रूम में अलग से शयन कक्ष- महिलाओं के लिए रनिंग रूम में शयन कक्ष और अटैच प्रसाधन कक्ष की व्यवस्था है।

विषय: चालक प्रशिक्षण केंद्र, अजनी में प्री-इंडक्शन सेमिनार का सफल आयोजन

चालक प्रशिक्षण केंद्र, अजनी में सहायक लोको पायलट पद हेतु प्री-इंडक्शन सेमिनार का आयोजन किया गया। यह सेमिनार नवगन्तुक सहायक लोको पायलट पद 50% विभागीय कोटा वाले कर्मचारियों के लिए रनिंग स्टाफ की ड्यूटि तथा उनके करियर आदि महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था। श्री मनीष अग्रवाल, मण्डल रेल प्रबन्धक, मध्य रेल नागपुर के मार्गदर्शन में सहायक लोको पायलट पद 50% विभागीय कोटा का पेनल सिर्फ 152 दिनों में , जिसमे पूरे मण्डल के 7 विभाग से 770 कर्मचारियों ने फॉर्म भरा था , उन सभी का लिखित परीक्षा, मेडिकल परीक्षा, सायको टेस्ट आदि सिर्फ 5 महीनों में पूरा करवाना, मण्डल तथा रेल्वे विभाग के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है। यह सब संभव हो पाया सिर्फ मण्डल रेल प्रबन्धक, मध्य रेल नागपुर महोदय के मार्गदर्शन से।

सेमिनार में सर्वप्रथम सभी नवगन्तुक सहायक लोको पायलटों का पुष्पगुछ देकर स्वागत किया गया। श्री निखिल सिंह, वरि. मण्डल विद्युत इंजीनियर, (परि.) नागपुर एवं श्री पवन कुमार, मण्डल विद्युत इंजीनियर, (परि.), नागपुर, श्री विजय कुमार गुप्ता, चालक प्रशिक्षक, श्री जी एस यादव, मुख्य लोको निरीक्षक, अन्य मुख्य लोको निरीक्षकों तथा नवगन्तुक सहायक लोको पायलट ने अपने विचार साझा किए। वरि. मण्डल विद्युत इंजीनियर, (परि.) ने कर्मचारियों को विभिन्न विषयों पर जैसे रनिंग स्टाफ की ड्यूटि की महत्ता, मिलने वाले भत्ते, कौशल विकसित करने के उपाय आदि पर मार्गदर्शन दिया। 134 चयनित कर्मचारियों में से 133 कर्मचारियों ने सेमिनार में सक्रिय रूप से भाग लिया और अपने सवाल पूछे, जिससे चर्चा और भी रोचक बन गई।